भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 269

दिनांक 02 फरवरी, 2026 को उत्तरार्थ

.....

गोदावरी नदी हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम

269. डा. अजित माधवराव गोपछड़ेः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि गोदावरी नदी, जिसे "दक्षिण गंगा" के नाम से जाना जाता है, का धार्मिक, सांस्कृतिक और कृषि संबंधी अत्यधिक महत्व है और क्या सरकार, प्रदूषण के कारण जल की गुणवत्ता और धार्मिक स्नान प्रभावित होने के मद्देनज़र, गोदावरी नदी के पूरे हिस्से, विशेषकर नांदेड़ में जहां तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब स्थित है, का पुनरुद्धार करने की मंशा रखती है;

(ख) क्या सरकार पूरी गोदावरी नदी की सफाई के लिए नमामि गंगे की तर्ज पर "नमामि गोदावरी" नामक एक समर्पित राष्ट्रीय कार्यक्रम शुरू करने का विचार रखती है; और

(ग) यदि हां, तो आज की तिथि तक महाराष्ट्र और तेलंगाना राज्य सरकारों के साथ किये गए समन्वय सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री
(श्री राज भूषण चौधरी)

(क) से (ग): गोदावरी नदी का धार्मिक, सांस्कृतिक और कृषि दृष्टि से विशेष महत्व है। नदियों की सफाई और पुनरुद्धार एक सतत प्रक्रिया है। राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों और स्थानीय निकायों की यह प्राथमिक जिम्मेदारी है कि वे नदियों तथा अन्य जल निकायों में सीवरेज और औद्योगिक अपशिष्टों के निर्वहन से पहले उनका आवश्यक उपचार सुनिश्चित करें, ताकि प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण हो सके।

मंत्रालय, राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना (एनआरसीपी) की केंद्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत गंगा और उसकी सहायक नदियों को छोड़कर अन्य नदियों के प्रदूषण निवारण के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों को लागत-साझाकरण के आधार पर वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करता है। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से समय-समय पर प्रस्ताव प्राप्त होते हैं और प्राथमिकता, योजना के दिशानिर्देशों के अनुपालन, तृतीय पक्ष मूल्यांकन और निधि की उपलब्धता के आधार पर एनआरसीपी के अंतर्गत स्वीकृति के लिए उन पर विचार किया जाता है।

एनआरसीपी के तहत, महाराष्ट्र में गोदावरी नदी के प्रदूषण निवारण के लिए नांदेड़ में 26 एमएलडी प्रतिदिन त्र्यंबकेश्वर में 1.0 एमएलडी और नासिक में अन्य संबंधित कार्य 100 एमएलडी और (अन्य संबंधित कार्य) की सीवेज उपचार क्षमता सृजित की गई है। इसके अतिरिक्त, गोदावरी नदी के प्रदूषण निवारण के लिए तेलंगाना के भद्राचलम में 4.0 एमएलडी, मंचेरियाल में 6.46 एमएलडी और रामागुंडम में 18 एमएलडी तथा आंध्र प्रदेश में राजामहेंद्रवरम में 30 एमएलडी की सीवेज उपचार क्षमता सृजित की गई है।

इसके अतिरिक्त गोदावरी, कृष्णा, नर्मदा, कावेरी, महानदी और पेरियार की छह नदी बेसिनों में आने वाले संबंधित राज्य सरकारों के समन्वय से "स्थिति आकलन और प्रबंधन योजना (सीएएमपी)" नामक की एक परियोजना शुरु की गई है जिसमें इस परियोजना में सहायता के लिए राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न बारह संस्थानों/संगठनों को शामिल किया गया है।

*****